Email:samachar.indore@gmail.com, Website: www.indoresamachar.net

इन्दौर समाचार के पितृपुरुष स्व. श्री सुरेश सेठजी

इन्दौर समाचार

RNI No. 1533/57, Dak Reg.: MP/IDC/91/2024-2026 ***

वर्ष 86
अंक-69
इन्दौर, शुक्रवार
29 मई 2026
पृष्ठ 12+8
मूल्य, 5 रुपए

सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

कर्नाटक में अब डीके शिवकुमार होंगे नए बॉस

बैंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लोकभवन जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। कर्नाटक के राज्यपाल के विशेष सचिव, प्रभु शंकर ने कहाकि मैंने सिद्धारमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा प्राप्त किया है। लेकिन वापस आने के बाद राज्यपाल ही इसे स्वीकार करेंगे। बताया जाता है कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मध्य प्रदेश के नागदा स्थित अपने गृह नगर गए हुए हैं। इससे पहले, सिद्धारमैया ने अपने आवास पर जलपान के दौरान हुई बैठक में मंत्रिमंडल के सहयोगियों को पद छोड़ने के अपने फैसले से अवगत कराया था। कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों के अनुसार डीके शिवकुमार उनके उत्तराधिकारी होंगे।

इस्तीफे के बाद क्या बोले सिद्धारमैया

इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहाकि मैंने अपना इस्तीफा राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया है। उन्होंने कहाकि मैंने हाईकमान के निर्देशों का पालन किया है। मुझसे इस्तीफा देने के लिए कहा गया था। सिद्धा ने कहाकि मैंने हाईकमान से कहा था कि गुरुवार को इस्तीफा दूंगा। आज मैंने अपना इस्तीफा दे दिया है। राज्यपाल वापस आने के बाद इस्तीफा स्वीकार करेंगे। संविधान के प्रावधान के मुताबिक उन्हें इस्तीफा स्वीकार करना होगा।

दिन में घर पर की थी बैठक

सिद्धारमैया की ओर से अपने आधिकारिक आवास पर कैबिनेट सहयोगियों के लिए जलपान के दौरान आयोजित की गई बैठक के बाद पाटिल ने यह बात कही। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के सूत्रों के अनुसार, पार्टी आलाकमान द्वारा राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का संकेत दिए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलने का समय मांगा। हालांकि, लोक भवन सूत्रों ने कहा कि सिद्धरमैया ने अब तक राज्यपाल से मिलने के लिए समय नहीं मांगा है।

सोनिया-राहुल का धन्यवाद

सिद्धारमैया ने इस मौके पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहाकि संविधान ही मेरे लिए धर्म है। सिद्धा ने कहाकि कांग्रेस जॉइन करने के बाद से मुझे हर स्तर पर बहुत ज्यादा सहयोग और प्यार मिला है। मैं सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं।

लोक भवन में इस्तीफा सौंपना भी वैध

सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल निजी कारणों से अपने गृह नगर इंदौर गए हुए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या मुख्यमंत्री लोक भवन के सचिव को इस्तीफा सौंप सकते हैं? इस पर लोक भवन के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि अगर सिद्धरमैया चाहें तो ऐसा कर सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह राज्यपाल को सीधे इस्तीफा सौंपने जितना ही वैध माना जाएगा, तो उन्होंने कहा, 'हां। इसके बाद राज्यपाल के पहुंचने पर वह इसकी पुष्टि करेंगे। प्रक्रिया के तहत राज्यपाल फिर उनसे (सिद्धरमैया से) व्यक्तिगत रूप से आकर इस्तीफा सौंपने के लिए भी कह सकते हैं।'

कई राज्यों में 100 किमी की रफ्तार से चलेगी आंधी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 48 घंटों के भीतर देश के कई हिस्सों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की विनाशकारी रफ्तार से आंधी-तूफान आने की आशंका है। इसके साथ ही कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और भारी ओलावृष्टि को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले 2-3 दिनों में इसके असर सागर, लक्षद्वीप और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दस्तक देने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन चुकी हैं। लेकिन 29 मई को मौसम रौद्र रूप अख्तियार कर सकता है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में 28 मई को लू का हल्का असर रहेगा, लेकिन 29 मई को मौसम रौद्र रूप अख्तियार कर सकता है।

ईरान का अमेरिकी एयरबेस पर ताबड़तोड़ हमला

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांति वार्ता लगातार विफल होती नजर आ रही है. इसी बीच ईरानी की IRGC ने दावा किया है कि उसने बंदर अब्बास पोर्ट के पास हुए हमलों के जवाब में अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाते हुए हमला किया है. उधर, कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि वह अपने देश की ओर दागी गई मिलाइलों और ड्रोन्स को रोक रहे हैं. तसनीम समाचार एजेंसी के अनुसार, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने स्थानीय समयानुसार सुबह 4:50 बजे बंदर अब्बास पोर्ट के पास हुए अमेरिकी हमले के बाद एक अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाते हुए जवाबी कार्रवाई की है. हालांकि, आईआरजीसी ने ये नहीं बताया कि उसने अमेरिका के किस बेस को निशाना बनाया है. ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने अमेरिका को सीधे तौर पर बेहद सख्त चेतावनी जारी की है. उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि इस तरह के हमलों को दोबारा दोहराया गया तो ईरान की तरफ से इससे भी ज्यादा निर्णायक और घातक प्रतिक्रिया दी जाएगी और इसके गंभीर परिणामों के लिए केवल हमलावर जिम्मेदार होगा.

मुकेश अंबानी ने लगातार छठे साल सैलरी नहीं ली

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी ने अपनी ऑयल-टू-टेलीकॉम और रिटेल सेक्टर की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) से लगातार छठे साल भी कोई सैलरी (वेतन) नहीं ली है। कंपनी की ओर से जारी एनुअल रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 (FY26) में मुकेश अंबानी की सैलरी, अलाउंस, भत्ते और रिटायरल बेनिफिट्स पूरी तरह शून्य रहे हैं। इस समय उनकी कमाई का मुख्य जरिया कंपनी से मिलने वाला डिविडेंड (लाभांश) ही है। दुनिया के 22वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं मुकेश अंबानी। भले ही मुकेश अंबानी चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (CMD) के तौर पर कोई वेतन, अलाउंस या स्टॉक ऑप्शंस नहीं ले रहे हैं, लेकिन दुनिया के 22वें सबसे अमीर इंसान की कमाई का मुख्य जरिया डिविडेंड है। मुकेश अंबानी की व्यक्तिगत नेटवर्थ इस समय लगभग 92 बिलियन डॉलर (करीब 8.83 लाख करोड़) है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत का डंका: अमेरिका-चीन के क्लब में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अंतरिक्ष और नियर स्पेस तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निजी अंतरिक्ष कंपनी रेड बैलून एरोस्पेस ने देश का पहला स्वदेशी सुपर-प्रेशर स्ट्रेटोस्फेरिक प्लेटफॉर्म 'मिशन साना' सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इसके साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, जापान और चीन जैसे चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास स्वदेशी हाइड्रोजन स्ट्रेटोस्फेरिक बैलून क्षमता मौजूद है। वर्ष 2025 में परिचालन शुरू करने वाली रेड बैलून एरोस्पेस ने महज आठ महीनों में अपनी पहली वाणिज्यिक उड़ान को अंजाम देकर तेजी से विकसित होने वाली वैश्विक परियोजनाओं में जगह बना ली है। कंपनी का 'विस्टा' सुपर-प्रेशर प्लेटफॉर्म विजयवाड़ा के इंदिरा गांधी स्टेडियम से लॉन्च किया गया, जिसने पृथ्वी से करीब 25 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचकर कई तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए।

पत्नी ने पहले चारों को काटा, फिर कार में जलाए शव!

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले के बोराड़ा थाना क्षेत्र स्थित श्रीरामपुरा गांव में पारिवारिक विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया. यहां एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ मिलकर अपने ही पति, सास, सौतन (पति की दूसरी पत्नी) और एक अन्य रिश्तेदार की बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए चारों शवों को कार में डालकर आग लगा दी. पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड का चंद घंटों में खुलासा कर दिया. अजमेर एसपी हर्षवर्धन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि श्रीरामपुरा गांव में घर से करीब 500 मीटर दूर मुख्य सड़क पर एक कार जल रही है, जिसमें चार शव मौजूद हैं. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई. मृतकों की पहचान पूर्व सरपंच के परिवार के सदस्य रामसिंह चौधरी, उनकी माता पूसी देवी, रामसिंह की दूसरी पत्नी सुरज्ञान और उनकी बुआ की बेटी महिमा के रूप में हुई. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक रामसिंह का अपनी पहली पत्नी सुनीता के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा था. दोनों एक ही घर में रहते थे और आए दिन कहासुनी होती रहती थी. बुधवार देर शाम भी परिवार के भीतर विवाद हुआ था, जिसके बाद घटना ने हिंसक रूप ले लिया. पुलिस जांच के अनुसार, सुनीता ने अपनी बेटी सरिता और एक नाबालिग बेटे के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया. आरोप है कि तीनों ने धारदार हथियारों से हमला कर रामसिंह, उनकी मां, दूसरी पत्नी और रिश्तेदार महिमा की हत्या कर दी. हत्या के बाद पूरे घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

बाहर आ गई TMC की लड़ाई

काकोली घोष के आरोपों पर कल्याण बनर्जी का आया जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में हार के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस बिखर रही है। एक के बाद एक असंतुष्ट के कई नेता सामने आकर पार्टी की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। अब तो पार्टी के 2 सांसद ही आमने-सामने आ गए हैं।

एक दिन पहले पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने वालीं काकोली घोष दस्तीदार ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक शिकायत लिखकर भेजी है जिसमें उन्होंने कल्याण बनर्जी पर सदन के भीतर अपशब्द कहने सहित कई बड़े आरोप लगाए। अब इस पर कल्याण बनर्जी का भी जवाब आया है। कल्याण बनर्जी ने काकोली घोष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए संसदीय नियमों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर सदन में कोई बात हुई थी, तो नियमों के मुताबिक उसे तुरंत उठाया जाना चाहिए था, ना कि राजनीतिक एजेंडे के तहत। अपनी ही पार्टी की सांसद को घेरते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, 'रूल मेरा क्या है। रूल में यह है कि जो भी घटना घटेगी, तुरंत स्पीकर को बताना होगा। '

काकोली घोष के क्या हैं आरोप?

इससे पहले काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कल्याण बनर्जी पर संसद में अपशब्द कहने और महिला सांसदों के प्रति अपमानजनक व्यवहार करने का आरोप लगाया है। लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में काकोली ने औपचारिक शिकायत दर्ज करने की इजाजत मांगी और कल्याण बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पश्चिम बंगाल के बारासात से सांसद काकोली ने पत्र में लिखा, ''मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि मुझे तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करने की अनुमति दी जाए। उन्होंने लोकसभा के भीतर बार-बार मुझे अपशब्द कहे। यह महिला विरोधी व्यवहार कई महिला सदस्यों के साथ हुआ है और ऐसे में दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है।''

ईरान के बाद ओमान को ट्रम्प की धमकी

होर्मुज पर किसी का कंट्रोल बर्दाश्त नहीं, उड़ा देंगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प होर्मुज स्ट्रेट को लेकर ईरान के बाद अब ओमान की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और यहां किसी एक देश का कब्जा नहीं हो सकता। दुनिया के सभी जहाजों को यहां से गुजरने की आजादी होगी।

ट्रम्प ने कहा कि हम इस पर नजर रखेंगे, लेकिन इसे कोई कंट्रोल नहीं करेगा। ईरान इसे कंट्रोल करना चाहता है, लेकिन ऐसा नहीं होगा। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र है। ओमान को भी बाकी देशों की तरह व्यवहार करना होगा, नहीं तो उसे उड़ा देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि ईरान को लगा था कि वह बातचीत से पीछे हट जाएंगे।

500 से ज्यादा मर्दों को परोस दी खुद ही की बीवी

फ्रांस। फ्रांस से एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। एक पढ़े-लिखे बैंक मैनेजर ने अपनी ही पत्नी को पिछले 7 सालों से नरक जैसी जिंदगी जीने पर मजबूर कर रखा था। आरोपी पति ने सिर्फ खुद अपनी पत्नी का यौन उत्पीड़न करता था बल्कि उसने पैसों के लालच में उसे 500 से ज्यादा गैर-मर्दों के आगे परोस दिया। इस खौफनाक दास्तान के सामने आने के बाद पूरी दुनिया सन्न है। यह खौफनाक मामला फ्रांस का है। आरोपी की पहचान 51 वर्षीय गुइलौमे बुक्की के रूप में हुई है जो पेशे से एक नामी बैंक में मैनेजर था। उसकी पत्नी 42 वर्षीय लाएटीटिया आर है। गुइलौमे ने अपनी पत्नी को एक कमोडिटी (वस्तु) समझ लिया था और खुद इस पूरे घिनौने धंधे को ऑपरेट करता था। वह ग्राहकों से मोटी रकम वसूलता और अपनी पत्नी को उनके पास भेज देता था।

विशेष संपादकीय

बशीर बद्र - टूटने में जीना सिखाने वाला शायर, खुद टूटकर अमर हो गये

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद् बड़वानी (मप्र)

'उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो...' बशीर बद्र की यह पंक्ति आज स्वयं एक विदाई का सन्नाटा बनकर गूंज रही है। उर्दू शायरी का वह नर्म, रोशन और संवेदनशील सितारा अब अस्त हो गया है। केवल एक शायर नहीं गया बल्कि एक पूरी भावनात्मक परंपरा मौन हो गई। 28 मई 2026 को भोपाल में लंबी बीमारी के बाद 91 वर्ष की आयु में उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी शायरी अब भी सांसों में जीवित है। वे केवल शब्द नहीं रचते थे, बल्कि टूटे हुए दिलों को जोड़ने वाली भावनाओं की पूरी दुनिया बसाते थे—जहाँ दर्द भी सुंदर लगता था और उम्मीद भी बहुत करीब। उनका जाना एक खालीपन नहीं, बल्कि एक ऐसी खामोश मौजूदगी है जो हर एहसास में धीरे-धीरे उतरती रहती है। जब शब्दों की रौशनी खुद इतिहास बन जाए, तो समझिए कोई शायर अमर हो चुका होता है। मशहूर उर्दू शायर और गज़लकार पद्मश्री बशीर बद्र का जाना साहित्य जगत के लिए एक ऐसा आघात है जिसने भावनाओं की सबसे नाजुक परत को हिला दिया। वे उन विरले शायरों में थे जिनके शब्द मंच से उतरकर सीधे जीवन की सांसों में बस जाते थे। उनका जाना केवल शरीर का अंत नहीं, बल्कि उस आवाज़ का ठहर जाना है जिसने सादगी को भी शिखर बना दिया। फिर भी, उनकी ग़ज़लें आज भी हर टूटे दिल में जीवित हैं और हर याद में चुपचाप रोशनी बनकर चलती रहती हैं। जहाँ शब्द जन्म लेते हैं और संवेदना उन्हें आकार देती है, वहीं से एक असाधारण सफ़र शुरू होता है। 15 फरवरी 1935 को अयोध्या (तब फैजाबाद) में जन्मे बशीर बद्र बचपन से ही शायरी की ओर आकर्षित थे और सात वर्ष की उम्र में ही शेर कहने लगे थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीए, एमए और पीएचडी के बाद उन्होंने वहीं उर्दू के प्रोफेसर के रूप में कार्य किया, फिर मेरठ कॉलेज में 17 वर्षों तक विभागाध्यक्ष रहे। फारसी, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ ने उनकी शायरी को समृद्ध और बहुआयामी बनाया।

(शेष पृष्ठ 9 पर)